PRESS RELEASE

SIDBI Launches Software Tool for SME Financing by Banks & Institutions

- Small Industries Development Bank of India (SIDBI) today released the Credit Appraisal and Rating Tool (CART), a comprehensive software tool for enabling quick appraisal and rating of SME credit proposals in an automated workflow environment to be used by banks and other lending institutions. The user-friendly software, developed by SIDBI, has been in operation for past three years and has contributed to significant reduction in credit dispensation time in the bank. With a view to extending CART to other banks and financial institutions, SIDBI has developed a separate web-based version of the software.

- CART was released by Shri VP Shetty, Chairman, Indian Banks Association at a function held in Mumbai today when Shri Rakesh Rewari, Deputy Managing Director of SIDBI and Shri G Srinivasan, Chief General Manager, Reserve Bank of India were also present, besides directors of SIDBI and Executive Director and senior executives from some of the commercial banks and State Financial Corporations. Shri VP Shetty, while launching the tool, hailed it as an innovation by SIDBI which has been acknowledged by RBI in the credit policy statement. He exhorted the banks to use the tool for faster credit delivery to SME sector.

- As a measure to boost credit flow to the small scale industries, RBI, in its Credit Policy prescription in 2005, had envisaged leveraging the expertise of SIDBI in assessing credit requirements of SSI by the branches of commercial banks, by using CART for appraisal and rating of proposals.

- CART has two menu-driven modules for Appraisal and Rating. The appraisal module covers analysis of all the relevant aspects of a credit proposal viz. Management, Financials, Industry, Market, KYC norms, etc. These are presented in a user friendly manner, guiding the Credit Officers working in a bank through the entire process in a technology based package. CART essentially aims at helping in prudent decision making on support-worthiness of credit proposals and pricing of the loan.

- The software also has the facility for undertaking re-rating of proposals. CART is aimed at serving as an effective tool for quick appraisal and qualitative rating of credit proposals and offering an efficient credit delivery to SME customers. This

feature-rich software would enable banks/FIs to undertake faster, yet comprehensive appraisal and rating of the proposals, with recommended pricing band.

- While CART was made available in the interim to the banks / FIs in SIDBI premises, the task of developing the software in open system architecture has been completed so that all the banks / FIs may use CART in their own locations on any convenient IT platform. The new CART which is IT platform independent, is expected to consider loan proposals upto Rs.1 crore. This would also bring standardisation and transparency to the credit decision process, thereby considerably reducing the time for processing of proposals. Upgradation and customisation of the tool could be taken up as per requirements.

- Shri Rakesh Rewari, DMD, SIDBI expressed hope that commercial banks as also State Financial Corporations would take benefit of CART business tool for providing assistance to their SME clients, which would in turn, speed up the credit flow to this important sector of the economy. Shri V. Chandrasekaran, Executive Director, SIDBI proposed the vote of thanks on the occasion.

****

December 07, 2006
Mumbai

प्रेस विज्ञप्ति

बैंकों और संस्थाओं द्वारा लघु एवं मध्यम उद्यम वित्तपोषण के लिए सिडबी द्वारा सॉफ्टवेयर साधन (कार्ट)का निर्गम

- भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक ने आज ऋण मूल्यांकन तथा श्रेणीनिर्धारण नामक एक सॉफ्टवेयर साधन (कार्ट) जारी किया है, जो स्वचालित कार्यप्रणाली वाले परिवेश में लघु एवं मध्यम उद्यम से संबंधित ऋण प्रस्तावों के शीघ्र मूल्यांकन व श्रेणीनिर्धारण की सुविधा प्रदान करने वाला एक व्यापक सॉफ्टवेयर है, जिसे बैंक तथा अन्य ऋणदात्री संस्थाएँ प्रयोग कर सकेंगी। प्रयोक्ता-सुलभ सॉफ्टवेयर का विकास सिडबी द्वारा किया गया है तथा यह पिछले तीन वर्ष में परिचालन में है। इससे बैंक में ऋण प्रस्तावों के निपटान के समय में काफी कमी आई है।

- ***कार्ट*** का लोकार्पण श्री वी पी शेट्टी, अध्यक्ष, भारतीय बैंक संघ द्वारा मुंबई मे आज आयोजित समारोह में किया गया, जिसमें श्री राकेश रेवारी, उप प्रबंध निदेशक, सिडबी तथा श्री जी श्रीनिवासन, मुख्य महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक भी उपस्थित थे। इसके अलावा, उक्त समारोह में सिडबी के निदेशक तथा कार्यपालक निदेशक और वाणिज्य बैंकों व राज्य वित्तीय निगमों के वरिष्ठ कार्यपालक भी उपस्थित थे। श्री वी पी शेट्टी ने उक्त सॉफ्टवेयर साधन जारी करते समय सिडबी को साधुवाद दिया और इसे सिडबी का नवोन्मेषी कदम बताया, जिसकी सराहना भारतीय रिज़र्व बैंक ने अपनी ऋण नीति में भी की है। उन्होंने लघु व मध्यम उद्यम क्षेत्र को शीघ्र ऋण-वितरण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी बैंकों को इस सॉफ्टवेयर साधन के उपयोग के लिए प्रेरित किया।

- लघु उद्योग क्षेत्र के लिए ऋण प्रवाह में वृद्धि के उपाय के रूप में, भारतीय रिजर्व बैंक ने 2005 की अपनी ऋण नीति में यह सुझाव दिया था कि वाणिज्य बैंक की शाखाएँ ऋण प्रस्तावों के मूल्यांकन व श्रेणीनिर्धारण के लिए ***कार्ट*** का प्रयोग कर, लघु उद्योग क्षेत्रों की ऋण आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए सिडबी की विशेषज्ञता का लाभ उठाएँ।

- ***कार्ट*** में मूल्यांकन व श्रेणीनिर्धारण के लिए दो मेन्यू-चालित मॉड्यूल हैं। मूल्यांकन मॉड्यूल में ऋण प्रस्ताव से संबद्ध सभी पहलुओं, जैसे - प्रबंध, वित्तीय विवरण, उद्योग, बाजार, अपने ग्राहकों को जानने से संबंधित मानदण्ड, इत्यादि का विश्लेषण शामिल है। इन्हें प्रयोक्ता-सुलभ तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे बैंक में कार्यरत ऋण अधिकारियों को पूरी प्रक्रियाएँ प्रौद्योगिकी-आधारित पैकेज के माध्यम से निर्देशित होती है। ***कार्ट*** का मूल उद्देश्य है

- सहायता के लिए ऋण प्रस्तावों की सुपात्रता तथा ऋण के मूल्यन के बारे में विवेकपूर्ण निर्णय करने में सहायता करना।

- इस सॉफ्टवेयर में प्रस्तावों के पुन: श्रेणीनिर्धारण की सुविधा भी उपलब्ध है। ***कार्ट*** का लक्ष्य है -ऋण प्रस्तावों के शीघ्र मूल्यांकन एवं गुणवत्तापूर्ण श्रेणीनिर्धारण के लिए प्रभावी साधन के रूप में कार्य करना और लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के ग्राहकों को सुदक्ष ऋण-वितरण उपलब्ध कराना। अनेक लक्षणों से युक्त यह सॉफ्टवेयर अनुशंसित मूल्यन सीमाओं में शीघ्रता से और साथ ही साथ विस्तृत मूल्यांकन श्रेणीनिर्धारण करने में बैंकों / वित्तीय संस्थाओं को समर्थ बनाएगा।

- यद्यपि ***कार्ट*** अंतरिम अवधि में बैंकों / वित्तीय संस्थाओं को सिडबी परिसर में उपलब्ध कराया गया था, किन्तु अब इसे ओपन सिस्टम संयोजन में पूर्ण रूप से विकसित कर लिया गया है, ताकि सभी बैंक / वित्तीय संस्थाएँ किसी भी सुविधाजनक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म पर अपने कार्यालयों में इसे प्रयोग कर सकें। नया ***कार्ट*** किसी भी सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म पर कार्य कर सकता है और आशा की जाती है कि इससे 1 करोड़ रुपये तक के ऋण प्रस्तावों पर विचार किया जा सकेगा। इससे ऋण निर्णय प्रक्रिया का मानकीकरण होगा और उसमें पारदर्शिता भी आएगी, जिससे प्रस्तावों पर कार्रवाई करने के समय में काफी कमी आएगी। आवश्यकता के अनुरूप इस सॉफ्टवेयर साधन का उन्नयन एवं अनुकूलन भी किया जा सकता है।

- श्री राकेश रेवारी, उप प्रबंध निदेशक, सिडबी ने यह आशा जताई कि वाणिज्य बैंक एवं राज्य वित्तीय निगम अपने लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के ग्राहकों को सहायता प्रदान करने के लिए ***कार्ट*** का लाभ उठाएँगे, जिसके फलस्वरूप अर्थ-व्यवस्था के इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र को अधिकाधिक ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। इस अवसर पर, श्री वी चन्द्रशेखरन, कार्पालक निदेशक, सिडबी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

****

07 दिसम्बर, 2006
मुम्बई